M.R. Ansari
02/05/2020

I

Marking v/s Grading
ग्रेडिंग/श्रेणी बनाम अंकन

⇒ शिक्षक व छात्र के लिये ये जानना आवश्यक है कि वे कक्षा शिक्षण में किस सीमा तक लाभ उठा रहे हैं व उनके व्यवहार में किस सीमा तक परिवर्तन हुआ है?

⇒ शिक्षण की सफलता व उद्देश्यों की प्राप्ति को जानने के लिये शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का मूल्यांकन किया जाता है।

मूल्यांकन कि परम्परागत पद्धतियाँ
(Traditional methods of Evaluation)

① लिखित (written)
② मौखिक (oral)
③ प्रायोगिक (Experimental)

जो सत्र के अंत में आयोजित होती थी।

परंपरागत परीक्षा प्रणाली में सुधार हेतु किये गये उपाय

⇒ वस्तुनिष्ठ तथा लघु प्रश्नों का प्रयोग
⇒ सतत मूल्यांकन
⇒ अंकन तथा ग्रेडिंग प्रणाली को अपनाना
⇒ विभिन्न परीक्षकों द्वारा दिये गये अंकों की स्केलिंग करना
⇒ राष्ट्रीय परीक्षा प्रारम्भ करना

II

Exp. No. M.R. Ansari 02/05/2020

Date

Page No.

Marking System
(अंकन प्रणाली)

⇒ अंकन प्रणाली में छात्रों की उपलब्धि को मापने के लिये परीक्षकों द्वारा छात्र को 0-100 तक अंक दिये जाते थे।

⇒ प्राप्त अंकों के आधार पर छात्रों को प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी, तृतीय श्रेणी व अनुत्तीर्ण किया जाता था।

Importance of the marking System
(अंकन प्रणाली का महत्व)

⇒ छात्रों को अपनी उपलब्धि का स्पष्ट उद्देश्य होना कि उन्हें कितना प्रतिशत लाना है।

⇒ छात्रों को मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है, छात्र अपने प्रतिशत के अंतर को समाप्त करने के लिए मेहनत करते है।

⇒ अंकन प्रक्रिया में छात्रों को विद्यालय में आयोजित होने वाली सभी क्रियाओं (जैसे :- असाइनमेंट, प्रोजेक्ट, व पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाएँ) में प्राप्त अंकों की जानकारी प्राप्त हो जाती है।

⇒ छात्रों को अपनी वास्तविक उपलब्धि व क्षमता कि जानकारी हो जाती है।

M.R. Ansari 02/05/2020

Teacher's Signature

III

Demerits of Marking System
अंकन प्रणाली के दोष

M.P. Ansari 02/05/2020

⇒ अत्यधिक प्रतियोगिता

⇒ मानवीय कारण

⇒ त्रुटियुक्त प्रक्रिया

⇒ मानकों में भिन्नता

Grading System
ग्रेडिंग प्रणाली

⇒ शिक्षा आयोग 1964–66 व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 ने अंकों के स्थान पर ग्रेडिंग प्रणाली की सिफारिश की।

⇒ सेन्ट्रल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ एजुकेशन ने आयोजित सभी मुख्य परीक्षाओं में विषयवार ग्रेड देने को कहा।

Date ____

Expt. No. M.R. Ansari IV 27/05/2020 Page No. ____

⇒ शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा - 2005 (NCF-2005) में संकलित सतत व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया में अंको के स्थान पर ग्रेड प्रणाली को अपनाया जा रहा है जिससे बच्चों की क्षमता का मूल्यांकन अंको के बजाय ग्रेड बिन्दुओं में किया जाता है।

⇒ इसकी मूल मान्यता है कि अंक दिये बिना भी बच्चों के विकासात्मक पहलू का आकलन कर सकते हैं क्योंकि अंकन प्रणाली में अंक प्राप्त करने का न कोई पर्याप्त वैद्य, वस्तुनिष्ठ, विश्वसनीय, सार्थक आधार उपलब्ध होता है और न ही परीक्षकों में इतनी कुशलता है कि वे छात्रों के समूह को त्रुटिरहित ढंग से बाट सके।

इस प्रणाली में छात्र की उपलब्धियों को संकेताक्षर A, B, C, D, F संकेतांक 0, 1, 2, 3, से प्रदर्शित किया जाता है।

Grading System (ग्रेडिंग प्रणाली)

⇒ **पाँच बिन्दु ग्रेड प्रणाली**

ग्रेड	A	B	C	D	F
अंक	4	3	2	1	0
शाब्दिक विवरण	विशिष्ट	उत्तम	औसत	निम्न	अनुत्तीर्ण

⇒ **सात बिन्दु ग्रेड प्रणाली**

ग्रेड	O	A	B	C	D	E	F
अंक	6	5	4	3	2	1	0
शाब्दिक विवरण	विशिष्ट	अति उत्तम	उत्तम	औसत	संतोषजनक	निम्न	अत्यधिक निम्न

Teacher's Signature: M.R. Ansari 27/05/2020

V

M.R. Ansari
03/05/2020

Type of Grading (ग्रेडिंग के प्रकार)

लैटर ग्रेडिंग	आंकिक ग्रेडिंग
A - विशिष्ट	A - 90 - 100
B - उत्तम	B - 80 - 89
C - औसत	C - 70 - 79
D - निम्न	D - 60 - 69
F - अति निम्न	F - 60 से कम

पूर्ण ग्रेडिंग :- किसी अन्य छात्र की उपलब्धि को ध्यान में नहीं रखा जाता है।

संचयित ग्रेडिंग :- इसमें एक छात्र अन्य छात्र की तुलना में कैसा है।

स्व संचयित ग्रेडिंग :- ये ग्रेडिंग विकास व परिवर्तन पर आधारित है।

दक्षता ग्रेडिंग :- शिक्षार्थी की दक्षता का आंकलन किया जाता है।

कथन ग्रेडिंग :- इसमें ग्रेड के स्थान पर कथन लिखे जाते है।

उत्तीर्ण / अनुत्तीर्ण ग्रेडिंग :- वांछित दक्षता

Importance Of the Grading System
(ग्रेडिंग प्रणाली का महत्व)

⇒ विभिन्न संस्थानों द्वारा परिणामों की तुलना करना आसान होता है।

⇒ छात्रों पर कार्य व परीक्षा के दबाव को कम करता है।

⇒ छात्रों व अभिभावकों को तनाव मुक्त रखने में सहायक है।

⇒ प्रतियोगिता को कम करता है।

⇒ विभिन्न विषयों में छात्रों की उपलब्धि तुलना करने में उपयुक्त पैमाना प्रदान करता है।

⇒ छात्रों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरण के समय आने वाली कठिनाईयों को कम करता है।

अंकन बनाम ग्रेडिंग
(Marking V/S Grading)

अंकन	ग्रेडिंग
⇒ अंकन का उद्देश्य विषय में अंक हासिल करना।	⇒ सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना
⇒ उपलब्धि को अंकों में मापा जाता है।	⇒ उपलब्धि को कुल प्रदर्शन के आधार पर मापा जाता है।
⇒ छात्रों व अभिभावकों को तनाव रहता है।	⇒ छात्रों व अभिभावकों को अनावश्यक तनाव नहीं रहता है।
⇒ उच्च कक्षाओं में बेहतर समायोजन	⇒ उच्च कक्षाओं में समायोजन में कठिनाई

Teacher's Signature : M.R. Ansari 03/05/2020